

कला और डिज़ाइन रिसर्च के रहस्य

कुशाग्र जैन*

क्या आप कला की दुनिया की गहराइयों में उतरना चाहते हैं? क्या आप जानना चाहते हैं कि किसी डिज़ाइन के पीछे की कहानी क्या है, या किसी कलाकार ने अपने काम में कौन से विचार भरे हैं? अगर हाँ, तो यह लेख आपके लिए ही है. चाहे आप कला, कला इतिहास, या डिज़ाइन के **विद्यार्थी** हों, **शोधकर्ता** हों, या बस **जिज्ञासु पाठक** हों, यह गाइड आपको बताएगी कि रिसर्च की शुरुआत कहाँ से करनी है और जानकारी के कौन से स्रोत सबसे भरोसेमंद होते हैं. हम कला और डिज़ाइन के क्षेत्र में जानकारी के विभिन्न प्रकारों को समझेंगे, जो आपको किसी कलाकृति के पीछे के **इरादों, उसके ऐतिहासिक संदर्भ और उसके गहरे प्रभाव** को अच्छी तरह समझने में मदद करेंगे.

यह लेख कला, कला इतिहास और डिज़ाइन के **विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और जिज्ञासु पाठकों** के लिए लिखा गया है, जो यह जानना चाहते हैं कि रिसर्च की शुरुआत कहाँ से करें और कौन से स्रोत सबसे भरोसेमंद होते हैं. कला और डिज़ाइन की दुनिया में गहराई से उतरने के लिए, आपको सही जानकारी के स्रोतों को जानना और उनका इस्तेमाल करना आना चाहिए. ये स्रोत आपको किसी कलाकृति या डिज़ाइन के पीछे के इरादों, उसके इतिहास और उसके प्रभाव को अच्छी तरह समझने में मदद करते हैं. जानकारी के इन स्रोतों को हम तीन मुख्य हिस्सों में बांट सकते हैं: **प्राथमिक (Primary)**, **द्वितीयक (Secondary)** और **तृतीयक (Tertiary)**, जिनमें से हर हिस्सा आपको रिसर्च का एक नया नज़रिया देता है.

प्राथमिक स्रोत (Primary Sources)

ये वो असली दस्तावेज़ या जानकारी हैं जो किसी कलाकृति या डिज़ाइन के बनने के समय या उसके तुरंत बाद तैयार की गई थीं. ये स्रोत आपको सीधे निर्माता के विचारों, उस समय के माहौल और काम पर मिली पहली प्रतिक्रिया के बारे में सीधी जानकारी देते हैं.

- **खुद कलाकृति/डिज़ाइन:** रिसर्च का सबसे ज़रूरी और सीधा तरीका. किसी कलाकृति या डिज़ाइन को अपनी आँखों से देखना और उसकी बनावट, रंग, और डिज़ाइन को समझना आपको उसके बारे में अनूठी जानकारी देगा.
- **कलाकार/डिज़ाइनर के अपने लेख:** इनसे आपको कलाकार के विचार, काम करने का तरीका और प्रेरणा समझ आती है. इनमें शामिल हैं:
 - **स्केचबुक, नोटबुक और डायरी:** ये कलाकार की रचनात्मक प्रक्रिया और शुरुआती विचारों की झलक देते हैं.
 - **टिप: रवींद्रनाथ टैगोर की स्केचबुक,** जो अब शांति निकेतन आर्काइव में उपलब्ध है, उनके कला दृष्टिकोण को सीधे दर्शाती है.
 - **पत्र, घोषणापत्र और निजी दस्तावेज़:** ये कलाकार के आपसी बातचीत और कलात्मक सोच को दिखाते हैं.
 - **इंटरव्यू (रिकॉर्ड किए गए या लिखित):** इनमें कलाकार या डिज़ाइनर अपने काम के बारे में सीधे अपनी राय देते हैं.

- **उस समय के दस्तावेज़:** ये दिखाते हैं कि काम कैसे बना और उसे शुरू में कैसी प्रतिक्रिया मिली:
 - **मूल प्रदर्शनी कैटलॉग:** जब कोई कलाकृति पहली बार प्रदर्शित हुई, तो उसके बारे में दी गई जानकारी.
 - **अखबारों या पत्रिकाओं में शुरुआती समीक्षाएं:** इनसे पता चलता है कि उस समय लोगों ने उस काम को कैसे देखा.
 - **काम से जुड़े अनुबंध, बिल या कमीशन:** ये काम के व्यावसायिक और संस्थागत पहलुओं को उजागर करते हैं.
 - **काम करते हुए कलाकार/डिज़ाइनर की तस्वीरें या फिल्में:** ये काम के बनने और उसके मूल प्रदर्शन का दृश्य प्रमाण देते हैं.
 - **टिप:** कलाकार की स्केचबुक या मूल प्रदर्शनी कैटलॉग ढूँढते समय, **उस समय के संग्रहालय आर्काइव या डिजिटल आर्काइव** को सबसे पहले देखें.
- **मौखिक इतिहास:** उन लोगों के इंटरव्यू जो कलाकार/डिज़ाइनर को जानते थे या किसी महत्वपूर्ण घटना के गवाह थे, ये आपको सीधे और व्यक्तिगत अनुभव बताते हैं.

द्वितीयक स्रोत (Secondary Sources): विश्लेषण और गहराई से समझना

ये वे सामग्री हैं जो प्राथमिक स्रोतों की व्याख्या, विश्लेषण या उन पर चर्चा करती हैं. ये आपको विद्वानों का नज़रिया, आलोचनात्मक विचार और व्यापक ऐतिहासिक जानकारी देते हैं, जो प्राथमिक स्रोतों से मिली जानकारी को समझने में मदद करते हैं.

- **अकादमिक किताबें:** ये गहन रिसर्च का नतीजा होती हैं और विषय को व्यापक संदर्भ में समझाती हैं:
 - **अलग-अलग कलाकारों, डिज़ाइनरों या खास कला आंदोलनों पर मोनोग्राफ:** ये किसी एक विषय पर केंद्रित विस्तृत अध्ययन होते हैं.
 - **उदाहरण:** "The Bengal School of Art" पर प्रकाशित प्रो. पार्थ मित्र की किताब एक उत्कृष्ट द्वितीयक स्रोत मानी जाती है.
 - **कला इतिहास या डिज़ाइन इतिहास पर सर्वेक्षण ग्रंथ:** ये कला और डिज़ाइन के अलग-अलग दौरों और आंदोलनों का एक बड़ा नज़रिया देते हैं.
 - **निबंधों का संग्रह:** ये एक ही विषय पर कई विद्वानों के अलग-अलग विचारों को एक साथ प्रस्तुत करते हैं.
- **अकादमिक पत्रिकाएं:** इनमें विशेषज्ञ (पीयर-रिव्यू) द्वारा जाँचे गए लेख होते हैं, जो गहन रिसर्च और विश्लेषण देते हैं (उदाहरण के लिए, *Art Bulletin*, *Art Journal*, *Journal of Visual Art Practice*, *Design Issues*). ये नए शोध और विद्वानों के बीच की बहसों के लिए बहुत ज़रूरी हैं.
- **आधुनिक प्रदर्शनी कैटलॉग:** भले ही मूल कैटलॉग प्राथमिक स्रोत हों, आधुनिक प्रदर्शनी कैटलॉग में अक्सर आर्ट हिस्टोरियन और क्यूरेटर्स के लिखे विद्वानों के निबंध शामिल होते हैं, जिससे वे द्वितीयक स्रोत बन जाते हैं.

- **शोध प्रबंध और थीसिस:** ये पोस्टग्रेजुएट छात्रों द्वारा की गई गहन रिसर्च होती हैं और इनमें अक्सर नए विचार या ऐसी सामग्री होती है जो पहले प्रकाशित नहीं हुई होती।
- **संदर्भ ग्रंथ:** हालांकि इन्हें कभी-कभी तृतीयक स्रोत माना जाता है, व्यापक विश्वकोश और शब्दकोश भी बहुत सारी विश्लेषणात्मक जानकारी देते हैं:
 - *Grove Art Online (Oxford Art Online):* दृश्य कला के सभी पहलुओं को कवर करने वाला एक बहुत ही व्यापक विश्वकोश।
 - *Benezit Dictionary of Artists:* कलाकार की जीवनी के लिए एक भरोसेमंद और आधिकारिक स्रोत।
 - *Allgemeines Künstlerlexikon (AKL) / Artists of the World Online:* एक और व्यापक कलाकार जीवनी शब्दकोश।
 - **खास शब्दकोश:** जैसे, *The Concise Oxford Dictionary of Art Terms, A Dictionary of Modern and Contemporary Art, Thames & Hudson Dictionary of Design Since 1900*, जो कला और डिज़ाइन की खास शब्दावली और अवधारणाओं को समझाते हैं।

तृतीयक स्रोत (Tertiary Sources): जानकारी तक पहुँचने का पहला कदम

ये स्रोत प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों से जानकारी को इकट्ठा करते हैं, उसका सार बताते हैं या उसे क्रमबद्ध करते हैं। ये रिसर्च शुरू करने के लिए बेहतरीन होते हैं, क्योंकि ये आपको किसी विषय का फटाफट ओवरव्यू और आगे की रिसर्च के लिए दिशा प्रदान करते हैं।

- **ग्रंथ सूची (Bibliographies):** किसी खास विषय पर पढ़ने के लिए अच्छी किताबों और लेखों की लिस्ट, जो आपको महत्वपूर्ण कामों तक पहुंचाती हैं।
- **सामान्य विश्वकोश:** ये अलग-अलग विषयों का जल्दी से ओवरव्यू और सारांश देते हैं (उदाहरण के लिए, *Britannica Online Encyclopedia*)।
- **डेटाबेस और इंडेक्स:** ये लेख, किताबें और अन्य रिसोर्सज ढूँढने के लिए बहुत काम के औज़ार हैं:
 - **कला-विशेष डेटाबेस:**
 - *Art Discovery Group Catalogue (ADGC):* WorldCat नेटवर्क के अंदर कला पर केंद्रित रिसर्च।
 - *ART-Dok:* कला, फोटोग्राफी और डिज़ाइन प्रकाशनों के लिए फुल-टेक्स्ट सर्वर।
 - *Art Abstracts & Art Index Retrospective:* कला, वास्तुकला, डिज़ाइन और ऐसी ही चीज़ों से जुड़ी पत्रिकाओं और संग्रहालय बुलेटिनों को इंडेक्स करता है।
 - *Avery Index to Architectural Periodicals:* वास्तुकला और संबंधित क्षेत्रों पर केंद्रित है।
 - *Bibliography of the History of Art (BHA):* पश्चिमी कला इतिहास की एक व्यापक ग्रंथ सूची (हालांकि 2007 के बाद अपडेट नहीं हुई, फिर भी शुरुआती रिसर्च के लिए valuable है)।

- **OpenBibArt:** पश्चिमी कला इतिहास पर एक सदी की ग्रंथ सूची.
- **कई विषयों के डेटाबेस (अक्सर कला से जुड़ी सामग्री शामिल होती है):**
 - **JSTOR:** विद्वानों की पत्रिकाओं के पुराने डिजिटाइज़्ड अंक.
 - **Academic Search Complete:** पत्रिकाओं और संदर्भ स्रोतों की एक विस्तृत शृंखला वाला एक बहु-विषयक डेटाबेस.
 - **Project Muse:** मानविकी और सामाजिक विज्ञान में विद्वानों की पत्रिकाएं.
 - **MLA International Bibliography with Full Text:** साहित्यिक आलोचना के लिए उपयोगी, जो अक्सर कला से भी जुड़ी होती है.
 - **Taylor & Francis Online:** कला और डिज़ाइन से संबंधित कई पत्रिकाएं प्रकाशित करता है.
- **पुस्तकालय कैटलॉग:** ये किसी खास लाइब्रेरी या संघ (जैसे, जर्मन आर्ट हिस्ट्री संस्थानों के लिए Kubikat) के पास मौजूद किताबें, ई-बुक्स और अन्य सामग्री ढूँढने के लिए इस्तेमाल होते हैं.
- **टाइमलाइन:** विज़ुअल टाइमलाइन जो कला आंदोलनों और अवधियों को समझने में मदद करती हैं (जैसे, मेट्रोपॉलिटन म्यूज़ियम ऑफ आर्ट से *Heilbrunn Timeline of Art History*).
- **रिसर्च गाइड (लाइब्रेरी सब्जेक्ट गाइड):** लाइब्रेरियन द्वारा बनाए गए, ये गाइड किसी खास विषय के लिए ज़रूरी डेटाबेस, संदर्भ ग्रंथ और अन्य रिसोर्स को इकट्ठा करते हैं.

डिजिटल और विज़ुअल स्रोत (Digital and Visual Resources): आज के रिसर्च के औज़ार

आज के समय में, डिजिटल और विज़ुअल स्रोत कला और डिज़ाइन रिसर्च के लिए तेज़ी से ज़रूरी होते जा रहे हैं.

- **ऑनलाइन म्यूज़ियम कलेक्शन:** कई म्यूज़ियम अपनी वेबसाइटों पर अपने संग्रह के बारे में हाई-रिज़ॉल्यूशन इमेज और विस्तृत जानकारी देते हैं.
- **इमेज डेटाबेस:** ये कला ऐतिहासिक इमेज ढूँढने के लिए खास प्लेटफॉर्म हैं (जैसे, Artstor, VADS), जो रिसर्च करने वालों को उच्च-गुणवत्ता वाली तस्वीरें देते हैं.
- **कलाकार/डिज़ाइनर वेबसाइट्स:** आधिकारिक साइटों में पोर्टफोलियो, स्टेटमेंट और जीवनी संबंधी जानकारी हो सकती है, जो कलाकार के अपने काम के बारे में सीधी जानकारी देती हैं.
- **डिजिटल आर्काइव्स:** ये पत्रों, तस्वीरों और प्रदर्शनी रिकॉर्ड जैसी प्राथमिक स्रोत सामग्री को डिजिटल रूप में रखते हैं, जिससे वे आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं.
- **डॉक्यूमेंट्री और फिल्में:** ये कलाकारों/विशेषज्ञों के साथ दृश्य संदर्भ और इंटरव्यू दे सकती हैं, जो कला को एक जीवंत तरीके से समझने में मदद करते हैं.
- **ऑनलाइन फोरम और ब्लॉग:**

- **ध्यान दें:** ब्लॉग और फोरम की जानकारी अकादमिक उपयोग के लिए हमेशा सत्यापित करें, क्योंकि उनकी विश्वसनीयता अलग-अलग हो सकती है। कुछ प्रतिष्ठित प्लेटफॉर्म (जैसे, डिजिटल आर्ट के लिए *Hyperallergic*, *Rhizome*) वर्तमान चर्चा और नए विचार देते हैं।

प्रभावी रिसर्च के लिए ज़रूरी बातें

- **पहले सामान्य से शुरू करें, फिर खास पर आएं:** किसी विषय का ओवरव्यू पाने के लिए पहले तृतीयक स्रोतों (विश्वकोश, रिसर्च गाइड) का इस्तेमाल करें। फिर, गहन विश्लेषण के लिए द्वितीयक स्रोतों (किताबें, जर्नल लेख) पर जाएं, और आखिर में असली जानकारी के लिए प्राथमिक स्रोतों पर आएं।
- **स्रोतों का ध्यान से मूल्यांकन करें:** हमेशा लेखक की विशेषज्ञता, प्रकाशन की तारीख, किसके लिए लिखा गया है और किसी भी संभावित पूर्वाग्रह पर विचार करें। जिन पत्रिकाओं या किताबों को विद्वानों ने जांचा-परखा है, वे ज्यादा भरोसेमंद होती हैं।
- **संदर्भों का पालन करें:** अच्छे स्रोत हमेशा अपनी जानकारी का हवाला देते हैं। इन संदर्भों का पालन करके आप और भी ज़रूरी सामग्री तक पहुंच सकते हैं।
- **पुस्तकालय संसाधनों का उपयोग करें:** लाइब्रेरियन जानकारी को खोजने में माहिर होते हैं। वे आपको आपके खास विषय के लिए सबसे अच्छे रिसोर्स तक मार्गदर्शन कर सकते हैं, इसलिए उनकी मदद लेने में कभी न झिझकें।

संक्षिप्त सार:

सटीक स्रोत चुनना ही सफल रिसर्च की कुंजी है।

रिसर्च तीन स्तरों पर आधारित होती है – प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक।

हर स्तर का अपना उद्देश्य और उपयोग होता है।

डिजिटल संसाधन आज के समय में अनिवार्य हो गए हैं।

पुस्तकालय और रिसर्च गाइड सबसे बेहतर शुरुआती उपकरण हैं।